एस.एम.एस. वाराणसी और लिम्कोक्विंग यूनिवर्सिटी, मलेशिया के बीच साइन हुआ एम.ओ.यू.

इन क्षेत्रों में होगा एस एम एस वाराणसी और लिम्कोक्विंग यूनिवर्सिटी के बीच शैक्षिक आदान–प्रदान

- **अकादमिक अनुसंधान व नवीन ज्ञान**
- **उद्यमिता एवं कौशल विकास**

वाराणसी, 4 अगस्त : एस.एम.एस. वाराणसी और लिम्कोक्विंग यूनिवर्सिटी ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी, मलेशिया के बीच शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया गया। इन तीनों संस्थानों के बीच अकादमिक आदान–प्रदान, अनुसंधान कार्यक्रमों, के साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर संयुक्त रूप से संलग्न होने पर सहमति बनी। इस अवसर पर मलेशिया की लिम्कोक्विंग विश्वविद्यालय के सीईओ श्री पीटर लिंग और मुख्य ब्रांडिंग अधिकारी सुश्री दातो टिफनी मैरी लिम बतौर मुख्त अतिथि उपस्थित रहे । एम. ओ. यू. पर एस. एम. एस. वाराणसी की तरफ से निदेशक प्रो. पी. एन. झा और प्रो. आर. के. सिंह चेयरपर्सन, अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध केंद्र और लिम्कोक्विंग यूनिवर्सिटी की तरफ से मुख्य ब्रांडिंग अधिकारी दातो टिफनी मैरी लिम व सी.ई.ओ. श्री पीटर लिंग ने हस्ताक्षर किया । अतिथियों का स्वागत करते हुए एस.एम.एस. वाराणसी के निदेशक प्रो. पी. एन. झा ने कहा कि यह समझौता शिक्षा के वैश्वीकरण और अंतर–सांस्कृतिक दृष्टिकोण को अपनाने के प्रति एस. एम. एस. और लिम्कोक्विंग विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम इस सहयोग का खुले दिल से स्वागत करते हैं। यह हमारे अकादमिक क्षितिज को और व्यापक बनाने और सीमाओं से परे जाकर एक–दूसरे से सीखने का एक उल्लेखनीय अवसर है।

लिम्कोक्विंग विश्वविद्यालय के सी.ई.ओ. श्री पीटर लिंग ने कहा कि हम एस.एम.एस. वाराणसी के सहयोग से इस परिवर्तनीय यात्रा को शुरू करने के लिए रोमांचित हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि साथ मिलकर हम नवीन ज्ञान के एक वैश्विक नेटवर्क को बढ़ावा देंगे।

मुख्य ब्रांडिंग अधिकारी दातो टिफनी मैरी लिम ने कहा कि यह अकादमिक समझौता सिर्फ शैक्षणिक संस्थानों के लिए ही नहीं बल्कि निःसंदेह भारत और मलेशिया के पारस्परिक संबंधों के लिए भी बहुत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि विश्व की सबसे प्राचीन जीवित नगरी काशी और पर्यटन में अग्रणी मलेशिया के इस गठजोड़ से विश्व समुदाय को नवीन शोध दृष्टि प्राप्त होगी।

एस.एम.एस. वाराणसी के अधिशासी सचिव डॉ. एम. पी. सिंह ने कहा कि इस एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करना एस.एम.एस. वाराणसी के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। हम इस सहयोग का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं जो शैक्षिक परिदृश्य को समृद्ध करेगा और अनंत संभावनाओं के द्वार खोलेगा। कुलसचिव श्री संजय गुप्ता ने उम्मीद व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग हमारे विद्यार्थियों को समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के हमारे प्रयासों को मजबूत करेगा। यह एस.एम.एस. वाराणसी के लिए बेहद गर्व का क्षण है, और हम अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान साझा करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर इंजीनियर श्री अमिताभ सिंह ने कहा कि फैशन डिजाइन के क्षेत्र में भी लिम्कोक्विंग यूनिवर्सिटी से हुए इस समझौते को बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज फैशन डिजाइन और तकनीक का वैश्विक स्तर पर चलन बढ़ा है ऐसे में इस बेहद अहम् एम.ओ.यू. से फैशन के क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवा विद्यार्थियों को निश्चय ही बहुत लाभ मिलेगा। इस अवसर पर प्रो. संदीप सिंह, प्रो. आर. के. सिंह, प्रो. पल्लवी पाठक, श्री के के बाजपेयी सहित एस.एम. एस. वाराणसी के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य उपस्थित रहे।